

# Pointers

COMP2129

FACULTY OF  
ENGINEERING &  
INFORMATION  
TECHNOLOGIES



THE UNIVERSITY OF  
SYDNEY



- › C has a number of simple types
  - float, int, char etc
  - each implies an interpretation of the bit pattern stored in the memory.

- › *Declarations* label and reserve memory:

```
int counter;
```

reserve memory for an integer and call it  
“counter”

- › *Initialisation or assignment* specifies content:

```
int counter = 0;  
counter = 0;
```

---

## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1			
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1		

Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	1	1

char a;



## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	1

```
char a;  
a = '$';
```



› Arrays are indexed collections of the same type

› Declaration of an array:

```
int  counters[MAX];  
char alphabet[26];
```

› Initialisation of an array:

```
for (i = 0; i < MAX; i++)  
    counters[i] = i;
```

---

## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1			
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1		

Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	1	1

“ch[0]”

“ch[1]”

char ch[2];





Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	1	1

“ch[0]”

“ch[1]”

```
char ch[2];  
printf("%c\n", ch[1]);
```

Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	1	1

“ch[0]”

“ch[1]”

```
char ch[2];  
printf("%c\n", ch[1]);
```

Output of random data



## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1

“ch[0]”

“ch[1]”

```
char ch[2];
```

```
printf("%c\n", ch[1]);
```

```
ch[0] = 'A';
```

```
ch[1] = 'B';
```

Output of random data



## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1

```
char ch[2];  
printf("%c\n", ch[1]);  
ch[0] = 'A';  
ch[1] = 'B';  
printf("%c%c\n", ch[0], ch[1]);
```

“ch[0]”

“ch[1]”

Output of random data

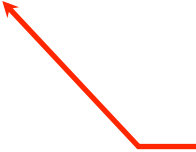
Output of initialised data



**AB**

- › Strings may be initialised at the time of declaration using an “array-like” notational convenience:

```
char myHobby[] = "rowing";
```

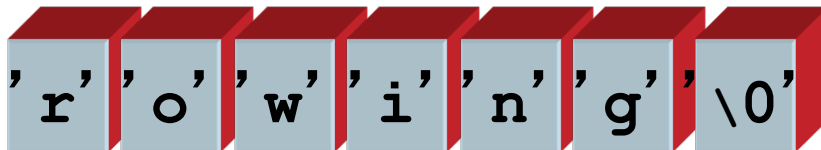


The compiler can determine the required size by counting characters, so the array size is **optional**. A larger size *may* be specified.

- › Strings resemble an array of characters.
- › However, in C, all strings are NULL-terminated.

Note: NULL is the binary value 0 (denoted ‘\0’), not the ASCII representation of the character 0.

```
char myHobby[] = "rowing";
```



## Memory

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1		
1	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1

"str"

```
char str[] = "A";
```

```
printf("%s\n", str);
```

A



## Memory

address	content
0x100	00100010
0x101	01010010
0x102	00110110
0x103	00101010
0x104	10100010
0x105	01100010
0x106	00111010
0x107	00100110
0x108	11100010

...

---



## Memory

address	content
0x100	00100010
0x101	01010010
0x102	00110110
0x103	00101010
0x104	10100010
0x105	01100010
0x106	00111010
0x107	00100110
0x108	11100010

...

Random values initially



## Memory

address    content

0x100	00100010
0x101	01010010
0x102	00110110
0x103	00101010
0x104	10100010
0x105	01100010
0x106	00111010
0x107	00100110
0x108	11100010

...

› a ***pointer*** is essentially a memory address

› we can find out the address of a variable using the **&** operator



## Memory

address	content
0x100	00100010
0x101	01010010
0x102	00110110
0x103	00101010
0x104	10100010
0x105	01100010
0x106	00111010
0x107	00100110
0x108	11100010

...

```
char initial = 'A';
```

```
char * initp = &initial
```

&initial is the **address of** initial

initp is a **pointer** to initial

Somewhere in memory...

Label: "ptr"

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

Somewhere else in memory...

Label: "count"

0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0
0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	
1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	

```
int count;
```

```
int *ptr;
```

```
count = 2;
```

```
ptr = &count;
```

```
printf("%d\n", count);
```

```
printf("%d\n", *ptr);
```

```
printf("%d\n", &count);
```

```
printf("%d\n", ptr);
```

variable name: "count"

address of count: 0x1000 = 4,096

Clearly, the value of a pointer can  
*only* be determined at run-time.

2

2

4096

4096

## › Pointer operators:

- address operator, ‘&’
- indirection operator, ‘\*’

Note that these operators are “overloaded”, that is they have more than one meaning.

- ‘&’ is also used in C as the bitwise ‘AND’ operator
  - ‘\*’ is also used in C as the multiplication operator
-

- › The indirection operator, ‘\*’, is used in a variable declaration to declare a “pointer to a variable of the specified type”:

```
int *countp; /* pointer to an integer */
```

Variable name, “countp”

Type is “a pointer to an integer”

What do the following  
mean?

```
float * amt;
```

```
int ** tricky;
```

Answers:

A pointer (labeled “amt”) to  
a *float*.

A pointer (labeled “tricky”) to a pointer to an *int*.

---

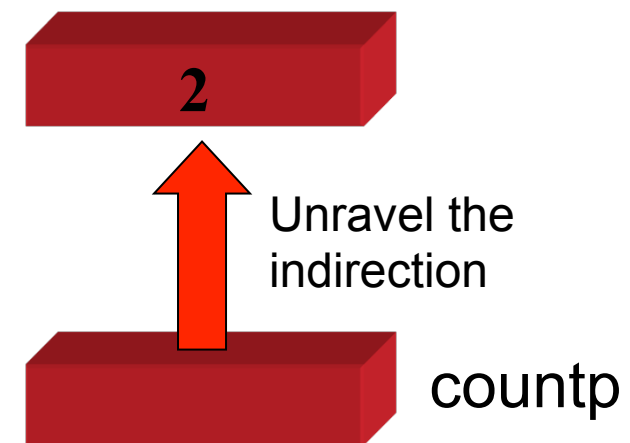
- › The indirection operator, ‘\*’, is used to “unravel” the indirection:

`countp` points to an integer variable that contains the value 2.

Then...

```
printf("%d", *countp);
```

...prints ‘2’ to standard output.





What is output in the following?

```
printf("%d", count);
```

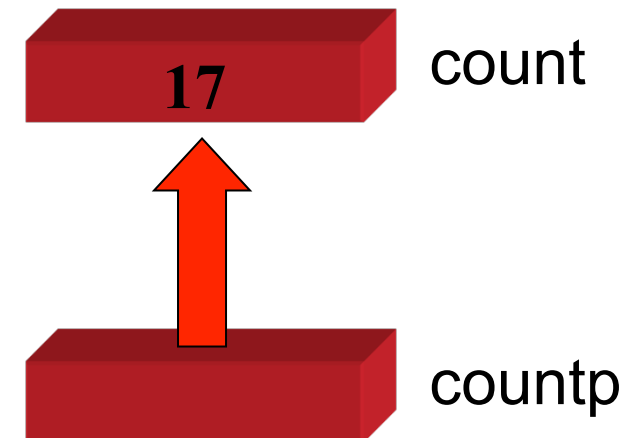
17

```
printf("%d", *countp);
```

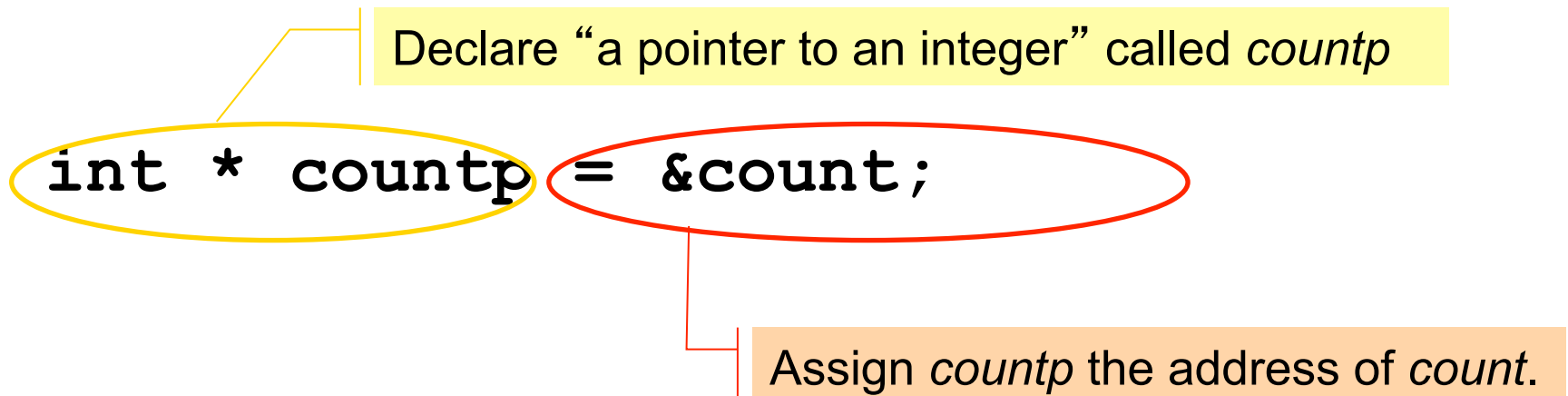
17

```
printf("%d", countp);
```

Don't know... but it will be  
the address of *count*.  
Why?



- › The address operator, ‘&’, is used to access the address of a variable.
- › This completes the picture! A pointer can be assigned the address of a variable simply:



An example of the the address operator in action...

Receiving an integer from standard input:

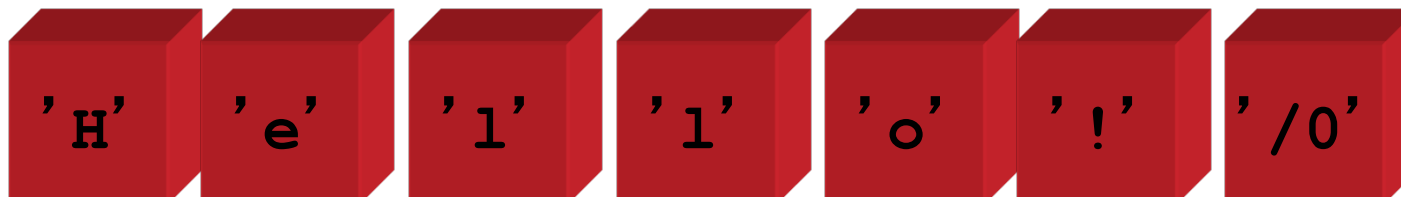
```
int age;  
scanf("%d", &age);
```

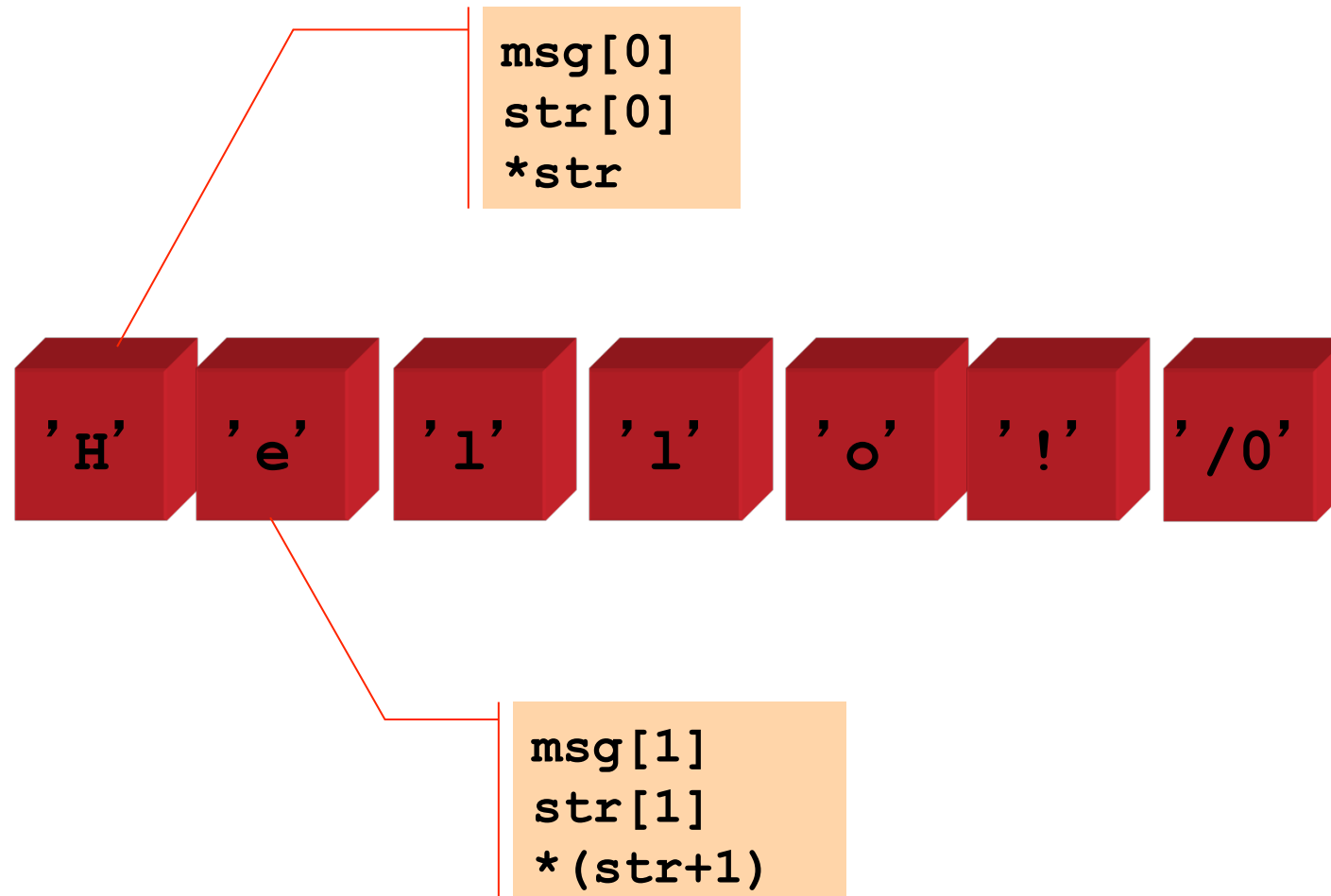
This argument is required by *scanf()* to be a pointer. Since we are using a simple integer, *age*, we pass it's address.

Use of pointer notation to manipulate arrays...

```
char msg[] = "Hello!";  
char *str = &msg[0];
```

OR:  
`char *str = msg;`

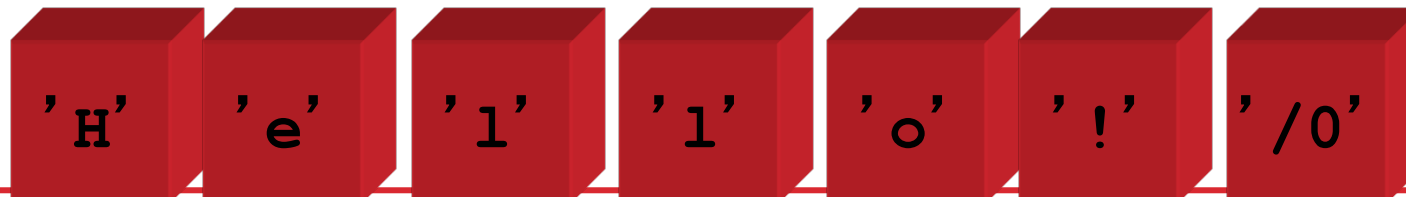




Pointer notation leads to some (intimidating?) shortcuts as part of the C idiom.

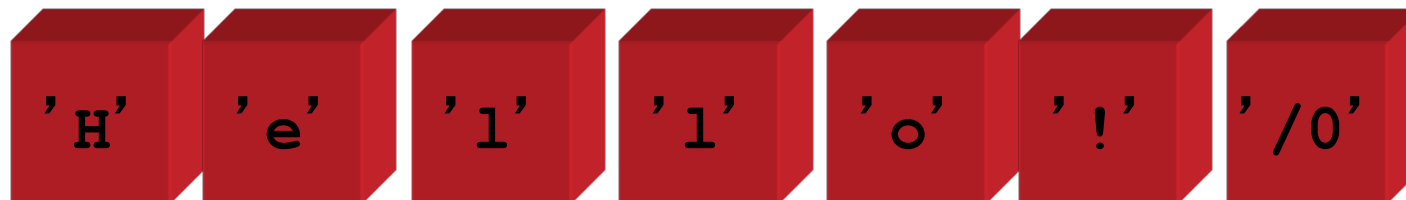
Moving through a string:

```
while (*str != '\0')  
    str++;
```



The previous example may exploit the fact that C treats '0' as FALSE:

```
while (*str)  
    str++;
```



- › Some mathematical operations are more convenient using pointers
    - e.g., array operations
  - › However, we have only looked at *static* data. Pointers are *essential* in dealing with **dynamic data structures**.
  - › Imagine you are writing a text editor.
    - You could estimate the largest line-length and create arrays of that size (problematic).
    - Or you could dynamically allocate memory as needed, using pointers.
-



